राष्ट्रपति भवन में अहिल्याबाई होलकर की गूंजी दास्तां

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

29 और 30 मई को राष्ट्रपति भवन, संस्कृति मंत्रालय एवं साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में एक साहित्यिक सम्मिलन आयोजित किया गया। इस दौरान देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर डॉ. हिमांशु बाजपेयी और डॉ. प्रज्ञा शर्मा ने राष्ट्रपति भवन में दास्तान-ए-अहिल्या सुनाई। इस सम्मिलन का शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में हुआ। दास्तानगोई में बताया गया कि देवी अहिल्या सिर्फ धार्मिक क्षेत्र में ही लगनशील नहीं थीं बल्कि युद्ध कला में भी माहिर थीं। उन्होंने तीन बार रामपुरा के चन्द्रावत को हराया। अहिल्याबाई कलाकारों को आश्रय देती थीं, मगर उन्हें चापलूसी नागवार थी। हिमांशु बाजपेयी और प्रज्ञा शर्मा ने अंत में कहा कि वो ये दास्तान जगह-जगह सुनाना चाहते हैं। इस दौरान

साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक, सचिव श्रीनिवास राव, कवि अरुण कमल, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर बाजपेयी, राजशेखर व्यास समेत तमाम लोग मौजूद रहे।